सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

देशबंधु महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना के 70वें वर्ष के उपलक्ष्य में DBC@70 के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। इस महत्वपूर्ण अवसर पर महाविद्यालय से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई।

देशबंधु महाविद्यालय की सात दशकों की यात्रा, देश की प्रगति में निरंतर भागीदारी की गाथा है। यहां से ज्ञान अर्जित कर निकले विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलताएं अर्जित की और देश की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

नए भारत के लिए, नई व्यवस्थाओं का निर्माण और आधुनिक व्यवस्थाओं का समावेश जरूरी है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े हमारे प्रयासों का फोकस भी, शिक्षा को संकुचित सोच के दायरों से बाहर लाने और हमारे युवाओं के समयानुकूल क्षमता सृजन पर है।

आज देश शिक्षा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े और सकारात्मक बदलावों का भी साक्षी बन रहा है। इन प्रयासों से आने वाले समय में भारत दुनिया में वैश्विक शिक्षा का एक बड़ा केंद्र बनने की ओर बढ़ रहा है।

21वीं सदी का भारत, राष्ट्र निर्माण के नव संकल्पों की सिद्धि की ओर अग्रसर है। आजादी के अमृत महोत्सव से लेकर 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक का अमृत कालखण्ड, देश के विकास की दिशा में अपने प्रयासों को और तेज गति देने का है। अमृतकाल में देश के अमृत संकल्पों को पूरा करने में हमारी युवा पीढ़ी की भूमिका अहम् रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि महाविद्यालय की 70 वर्षों की उपलब्धियां विद्यार्थियों, शिक्षकों व अन्य कर्मियों को राष्ट्र की उन्नति के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देंगी।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
श्रावण 05, शक संवत् 1944
27 जुलाई, 2022